BSNLEU

BSNL EMPLOYEES UNION

Central Head Quarters

Ph.: 011-25705385
Fax : 011-25894862

Animesh Chandra Mitra
General Secretary

Main Recognised Representative Union.
Dada Ghosh Bhawan, 2151/1, New Patel Nagar,
Opp. Shadipur Bus Depot, New Delhi-110008
E-mail : bsnleuchq@gmail.com, Website : www.bsnleu.in

BSNLEU/604(DEV) **25.11.2026**

सेवा में,

श्री नरेंद्र मोदी जी,
माननीय प्रधानमंत्री, भारत सरकार,
प्रधानमंत्री कार्यालय,
सेवा तीर्थ, नई दिल्ली – 110011

विषय: - **BSNL के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक (CMD) के पद पर निजी क्षेत्र के किसी व्यक्ति की नियुक्ति का BSNLEU द्वारा कड़ा विरोध – इस संबंध में।**

आदरणीय महोदय,

अत्यंत सम्मान के साथ, BSNL एम्प्लॉइज यूनियन (BSNLEU) - जो BSNL की मुख्य मान्यता प्राप्त ट्रेड यूनियन है - आपके संज्ञान में कुछ महत्वपूर्ण मुद्दे लाना चाहती है, ताकि आप इन पर उचित विचार कर सकें।

मीडिया में ऐसी खबरें आई हैं कि BSNL के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक (CMD) के पद पर निजी क्षेत्र के किसी व्यक्ति को नियुक्त किया जा सकता है। इन खबरों के अनुसार, पांच सदस्यीय 'खोज एवं चयन समिति' (Search-cum-Selection Committee) ने BSNL के CMD पद के लिए निजी क्षेत्र के एक व्यक्ति के नाम की सिफारिश की है, और इस पर अंतिम निर्णय मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (ACC) द्वारा लिया जाना है। यदि ये मीडिया रिपोर्टें सच हैं, तो हम आपके विचारार्थ निम्नलिखित बिंदु प्रस्तुत करना चाहते हैं।

सबसे पहले, BSNLEU यह स्पष्ट करना चाहती है कि वह BSNL के CMD पद पर निजी क्षेत्र के किसी व्यक्ति की नियुक्ति का कड़ा विरोध करती है। हमारा विरोध मुख्य रूप से इस तथ्य पर आधारित है कि BSNL में कई अत्यंत प्रतिभाशाली और अनुभवी वरिष्ठ अधिकारी मौजूद हैं, जो इस संगठन का नेतृत्व करने में पूरी तरह सक्षम हैं और इस प्रतिष्ठित पद के लिए वे निश्चित रूप से विचार किए जाने के हकदार हैं।

BSNL केवल एक व्यावसायिक इकाई नहीं है; यह सार्वजनिक क्षेत्र की एक दूरसंचार सेवा प्रदाता संस्था है, जिसकी जिम्मेदारी देश की जनता की सेवा करना है। BSNL के नेटवर्क की जटिलताओं, इसके मानव संसाधनों, परिचालन संबंधी चुनौतियों और पुरानी समस्याओं को इसके वरिष्ठ अधिकारी ही सबसे बेहतर समझते हैं, जिन्हें संगठन के भीतर काम करने का व्यापक अनुभव है। निजी क्षेत्र से आने वाला कोई व्यक्ति स्वाभाविक रूप से इन आंतरिक वास्तविकताओं से अनभिज्ञ होगा। इसलिए, प्रभावी नेतृत्व सुनिश्चित करने और कंपनी को वित्तीय पुनरुद्धार की दिशा में ले जाने के लिए, BSNL के वरिष्ठ अधिकारियों में से ही किसी को CMD नियुक्त करना आवश्यक है।

जैसा कि सर्वविदित है, निजी क्षेत्र की कंपनियों का मुख्य उद्देश्य अधिकतम लाभ कमाना होता है, जबकि एक सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (PSU) के रूप में BSNL की बड़ी जिम्मेदारी लोगों को किफायती दूरसंचार सेवाएं उपलब्ध कराना है—जिसमें ग्रामीण, दूर-दराज और व्यावसायिक रूप से अलाभकारी क्षेत्रों के लोग भी शामिल हैं। उद्देश्यों में इस मूलभूत अंतर को देखते हुए, निजी क्षेत्र से आया कोई व्यक्ति BSNL का प्रमुख बनने के लिए शायद सबसे उपयुक्त न हो।

BSNL के CMD पद पर निजी क्षेत्र के किसी व्यक्ति की संभावित नियुक्ति की खबर ने कर्मचारियों के बीच इस आशंका को और गहरा कर दिया है कि सरकार का अंतिम लक्ष्य BSNL का निजीकरण करना हो सकता है। इस घटनाक्रम ने कर्मचारियों के बीच काफी चिंता और घबराहट पैदा कर दी है। ऐसी आशंकाएं निश्चित रूप से कर्मचारियों का मनोबल गिराएंगी और उनके उत्साह, प्रतिबद्धता तथा उत्पादकता पर प्रतिकूल प्रभाव डालेंगी।

यह बताना भी ज़रूरी है कि दूरसंचार (टेलीकम्युनिकेशन) एक अत्यधिक तकनीक-प्रधान उद्योग है, जिसमें बने रहने और विकास करने के लिए लगातार तकनीकी अपग्रेडेशन (सुधार) ज़रूरी है। वर्तमान में, रिलायंस जियो और एयरटेल जैसी निजी टेलीकॉम सेवा प्रदाता कंपनियाँ, अत्याधुनिक तकनीकों को लागू करने के मामले में BSNL से काफी आगे हैं। इन दोनों कंपनियों ने पूरे भारत में

अपना 5G नेटवर्क शुरू कर दिया है, जबकि BSNL अभी भी पूरे देश में अपना 4G नेटवर्क स्थापित करने और उसका विस्तार करने के लिए संघर्ष कर रही है।

सरकार द्वारा तीन 'रिवाइवल पैकेज' (पुनरुद्धार पैकेज) दिए जाने के बावजूद, BSNL अभी तक अपनी वित्तीय स्थिति में कोई स्थायी सुधार नहीं ला पाई है। इसका मुख्य कारण यह है कि कंपनी को निजी टेलीकॉम ऑपरेटरों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए समान अवसर (लेवल प्लेइंग फील्ड) नहीं मिला है। जहाँ निजी टेलीकॉम कंपनियाँ 4G और 5G तकनीक में माहिर वैश्विक वेंडरों से उपकरण खरीदने के लिए स्वतंत्र हैं, वहीं BSNL को स्वदेशी उपकरण निर्माताओं पर निर्भर रहने के लिए मजबूर किया गया है। इस पाबंदी ने अत्यधिक प्रतिस्पर्धी दूरसंचार बाज़ार में BSNL की प्रभावी ढंग से मुकाबला करने की क्षमता पर गहरा असर डाला है।

BSNL द्वारा 4G सेवाएँ शुरू किए जाने के बाद भी, ग्राहकों का बड़ी संख्या में BSNL छोड़कर निजी टेलीकॉम ऑपरेटरों के पास जाना, स्वदेशी निर्माताओं द्वारा उपलब्ध कराए गए उपकरणों की गुणवत्ता, प्रदर्शन और विश्वसनीयता के साथ-साथ ग्राहकों की संतुष्टि के स्तर पर भी गंभीर सवाल खड़े करता है। इस मुद्दे की गंभीरता से जाँच की जानी चाहिए, क्योंकि ग्राहकों को बनाए रखने और नए ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए नेटवर्क इंफ्रास्ट्रक्चर की गुणवत्ता और ग्राहकों का अनुभव बहुत महत्वपूर्ण होते हैं।

इसके अलावा, 2020 में 'वॉलंटरी रिटायरमेंट स्कीम' (VRS) लागू होने से BSNL के कर्मचारियों की संख्या में लगभग 50% की कमी आई, जिससे कर्मचारियों पर होने वाला खर्च काफी कम हो गया। हालाँकि, कर्मचारियों की संख्या में इतनी भारी कमी के बावजूद BSNL मुनाफ़ा कमाने की स्थिति में नहीं आ पाई है। इससे यह स्पष्ट होता है कि कंपनी की वित्तीय कठिनाइयों का कारण केवल कर्मचारियों की संख्या नहीं है।

यह याद रखना प्रासंगिक होगा कि 2004-05 के दौरान BSNL की कुल आय 36,000 करोड़ रुपये थी और कंपनी ने 10,183 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ (नेट प्रॉफिट) दर्ज किया था। इसी तरह, 2005-06 के दौरान, इसकी आय बढ़कर 40,177 करोड़ रुपये हो गई, जबकि इसका शुद्ध लाभ 8,940 करोड़ रुपये रहा। ये उल्लेखनीय वित्तीय उपलब्धियां ऐसे समय में दर्ज की गई थीं, जब BSNL में आज की तुलना में कम से कम दो लाख कर्मचारी अधिक थे।

उपर्युक्त तथ्य स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं कि BSNL के पतन का कारण केवल इसके कर्मचारियों की संख्या या इसके प्रबंधन की कथित अक्षमता नहीं है। बल्कि, कंपनी के पतन का मुख्य कारण इसे समान अवसर (level playing field) न मिलना और समय पर आवश्यक उपकरण व तकनीक उपलब्ध कराने में विफलता रही है। लगभग 2008 के बाद से, BSNL को निजी टेलीकॉम ऑपरेटरों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए जरूरी उपकरण खरीदने और आवश्यक तकनीक अपनाने का उचित अवसर बार-बार नहीं दिया गया। यह खेदजनक है कि ये बुनियादी समस्याएं अभी भी बनी हुई हैं और सरकार द्वारा इन पर ध्यान दिया जाना बाकी है।

ऐसी परिस्थितियों में, हमारा दृढ़ मानना है कि निजी क्षेत्र से किसी व्यक्ति को BSNL का CMD नियुक्त करने से न तो कंपनी के सामने मौजूद बुनियादी समस्याओं का समाधान होगा और न ही इसके पुनरुद्धार के लिए आवश्यक नेतृत्व मिल पाएगा। आज BSNL को एक ऐसे सक्षम और अनुभवी लीडर की आवश्यकता है जो संगठन को समझता हो, सार्वजनिक क्षेत्र के दूरसंचार नेटवर्क को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हो, और कंपनी की वृद्धि व विकास को प्रभावित करने वाले लंबे समय से लंबित मुद्दों को सुलझाने के लिए दृढ़ संकल्पित हो।

उपर्युक्त बातों को ध्यान में रखते हुए, BSNLEU आपसे एक बार फिर पुरजोर आग्रह करता है कि निजी क्षेत्र से किसी व्यक्ति को BSNL का CMD नियुक्त करने के किसी भी प्रस्ताव या निर्णय पर कृपया पुनर्विचार करें। हम यह भी अनुरोध करते हैं कि अगला CMD चुनते समय BSNL के ही अत्यंत अनुभवी और प्रतिभाशाली वरिष्ठ अधिकारियों पर उचित विचार किया जाए। ऐसा निर्णय न केवल BSNL के हितों की रक्षा करेगा, बल्कि इसके कर्मचारियों में विश्वास भी जगाएगा और कंपनी के पुनरुद्धार व विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को मजबूत करेगा।

धन्यवाद,

भवदीय,



[अनिमेश चंद्र मित्रा]
महासचिव

प्रतिलिपि: (1) श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया, माननीय संचार मंत्री, संचार भवन, 20 अशोक रोड, नई दिल्ली – 110001
(2) डॉ. पी. के. मिश्रा, माननीय प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव, प्रधानमंत्री कार्यालय (PMO), सेवा तीर्थ, नई दिल्ली – 110011
(3) श्री अमित अग्रवाल, सचिव, दूरसंचार विभाग, संचार मंत्रालय, संचार भवन, 20 अशोक रोड, नई दिल्ली – 110001